Psa

Chapter 43

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1

שָׁפְטֵנִי	न्याय-कर-मेरा	H8199
אֱלֹהִים׀	एलोहीम	H0430
וְרִיבָה	और-लड़	H7378
רִיבִי	मुकद्दमा-मेरा	H7379
מִגּוֹי	से-जाति	
לֹא־	नहीं	H3808
חָסִיד	भक्त	H2623
מֵאִישׁ־	से-मनुष्य	H0376
מִרְמָה	छल-का	H4820
וְעַוְלָה	और-अन्याय-के	
תְפַלְּטֵנִי׃	छुड़ा-मुझे	H6403

हे परमेस्वर, एक मनुष्य है जो तेरी अनुसरण नहीं करता वह मनुष्य दुष्ट है और झूठ बोलता है। हे परमेश्वर, मेरा मुकदमा लड़ और यह निर्णय कर कि कोन सत्य है। मुझे उस मनुष्य से बच ले।

2

כִּי־	क्योंकि	
אַתָּה׀	तू	
אֱלֹהֵי	एलोहीम	H0430
מָעוּזִּי	शरण-मेरी-की	H4581
לָמָה	क्यों	H4100
זְנַחְתָּנִי	तूने-त्याग-दिया-मुझे	
לָמָּה־	क्यों	H4100
קֹדֵר	शोक	H6937
אֶתְהַלֵּךְ	मैं-जाता-हूं	H1980
בְּלַחַץ	में-पीड़ा	H3906
אוֹיֵב׃	शत्रु-के	H0341

हे परमेस्वर, तू ही मेरा शरणस्थल है! मुझको तूने क्यों बिसरा दिय तूने मुझको यह क्यों नहीं दिखाया कि मै अपने श्त्रुओं से कैसे बच निकलूँ

3

שְׁלַח־	भेज	H7971
אוֹרְךָ	प्रकाश-तेरा	H0216
וַאֲמִתְּךָ	और-सत्य-तेरा	H0571
הֵמָּה	वे	H1992
יַנְחוּנִי	अगुवाई-करें-मुझे	H5148
יְבִיאוּנִי	ले-आएं-मुझे	H0935
אֶל־	की-ओर	H0413
הַר־	पहाड़	H2022
קָדְשְׁךָ	पवित्रता-तेरी-के	H6944
וְאֶל־	और-की-ओर	H0413
מִשְׁכְּנוֹתֶיךָ׃	निवासों-तेरे	H4908

हे परमेश्वर, तू अपनी ज्योति और अपने सत्य को मुझ पर प्रकाशित होने दे। मुझको तेरी ज्योति और सत्य राह दिखायेंगे। वे मुझे तेरे पवित्र पर्वत और अपने घर को ले चलेंगे।

4

וְאָבוֹאָה׀	और-मैं-आऊंगा	H0935
אֶל־	की-ओर	H0413
מִזְבַּח	वेदी	H4196
אֱלֹהִים	एलोहीम-की	H0430
אֶל־	की-ओर	H0413
אֵל	एल	H0410
שִׂמְחַת	आनंद	H8057
גִּילִי	उल्लास-मेरे-का	
וְאוֹדְךָ	और-मैं-स्तुति-करूंगा-तुझे	H3034
בְכִנּוֹר	में-वीणा	H3658
אֱלֹהִים	एलोहीम	H0430
אֱלֹהָי׃	एलोहीम-मेरे	H0430

मैं तो परमेस्वर की वेदी के पास जाऊँगा। परमेश्वर मैं तेरे पास आऊँगा। वह मुझे आनन्दित करता है। हे परमेश्वर, हे मेरे परमेश्वर, मैं वीणा पर तेरी स्तुति करँगा।

5

מַה־	क्यों	H4100
תִּשְׁתּוֹחֲחִי׀	तू-उदास-है	H7817
נַפְשִׁי	प्राण-मेरे	H5315
וּמַה־	और-क्यों	H4100
תֶּהֱמִי	तू-व्याकुल-है	H1993
עָלָי	पर-मुझ	
הוֹחִילִי	आशा-रख	H3176
לֵאלֹהִים	में-एलोहीम-पर	H0430
כִּי־	क्योंकि	
עוֹד	फिर-भी	H5750
אוֹדֶנּוּ	मैं-स्तुति-करूंगा-उसकी	H3034
יְשׁוּעֹת	उद्धारों	H3444
פָּנַי	मुख-मेरे-के	H6440
וֵאלֹהָי׃	और-एलोहीम-मेरे	H0430

मैं इतना दु:खी क्यों हुँ? मैं क्यों इतना व्यकुल हूँ? मुझे परमेश्वर के सहारे की बाट जोहनी चाहिए। मुझे अब भी उसकी स्तुती का अवसर मिलेगा। वह मुझे बचाएगा।